B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-V

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু 'ক' বিভাগত: *সপ্তানাং প্রশ্নানাং* 'খ' বিভাগত: *ত্রয়াণাং প্রশ্নানাং* চ উত্তরম্ সুরগিরা দেবনাগরীলিপিম্ আশ্রিত্য দেয়ম্। 2×10=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *সাতটি* এবং 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি প্রশ্নের* সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।

'ক'-বিভাগ:

'ক'-বিভাগ

(a) শাকুন্তলে নান্দীশ্লোকে মহাদেবস্য প্রত্যক্ষযোগ্য-মুর্তি*চতুষ্টয়স্য* নাম লিখ্যতাম্।
'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে নান্দীশ্লোকে মহাদেবের প্রত্যক্ষযোগ্য চারটি মূর্তির নাম লেখো।

(b) সারথিমনুসৃত্য মৃগানুসারিণ: দুষ্যন্তস্য রূপং বর্ণ্যতাম্।
সারথির অনুসরণে মৃগানুসরণকারী দুষ্যন্তের বর্ণনা দাও।

(c) 'ভগবন্ বর: খলু এষ:, ন আশী:'
— আশীর্বরয়ো: কিং পার্থক্যম্?
— আশীর্বাদ ও বরের মধ্যে পার্থক্য কী?

(d) 'ত্রিশঙ্কুরিব অন্তরা তিষ্ঠ'– অস্যা: উক্তেরন্তর্গনা পুরাকথা সমাসত: বিব্রিয়তাম্।
'ত্রিশঙ্কুরিব অন্তরা তিষ্ঠ'— এই উক্তির অন্তর্নিহিত পৌরাণিক আখ্যানটি সংক্ষেপে লেখো।

(e) 'কৃত্যয়োর্ভিন্নদেশত্বাদ দ্বৈধী ভবতি মে মন:'– কেনোক্তমেতত্? এতাদৃশস্য বক্তব্যস্য কারণং কিম?
'কৃত্যয়োর্ভিন্নদেশত্বাদ দ্বৈধী ভবতি মে মন:'— উক্তিটির বক্তা কে? এরূপ উক্তির কারণ কী?

(f) প্রতিশব্দ: লিখ্যতাম্:
প্রতিশব্দ লেখো ঃ
স্যন্দন:, মৃগজব:

(g) দুষ্যন্তং প্রতি বৈখানসস্য আশীর্বার্ণী লিখত।
দুষ্যন্তের প্রতি বৈখানসের আশীর্বাদ লেখো।

(h) का खलु प्रियंवदा? प्रियंवदा शब्दस्य अर्थो निरूप्यताम्।
প্রিয়ংবদা কে? প্রিয়ংবদা শব্দের অর্থ নিরূপণ করো।

(i) 'आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि'– उक्तेरस्याः तात्पर्यं विचार्यताम्।
'আর্তত্রাণায় বঃ শস্ত্রং ন প্রহর্তুমনাগসি'— উক্তিটির তাৎপর্য বিচার করো।

(j) नृपः दुष्यन्तः कथं राजर्षिः इति आख्यायते?
মহারাজ দুষ্যন্তকে রাজর্ষি বলা হয়েছে কেন?

'ख'-विभागः
'খ'-বিভাগ

(k) भासविरचितानि नाटकानि केन कुत्र आविष्कृतानि?
ভাস বিরচিত নাটকগুলি কে কোথায় আবিষ্কার করেন?

(l) 'रत्नावली' रूपकम् केन विरचितम्? रूपकस्य अङ्क-संख्यां लिखत।
রত্নাবলী রূপকটি কে রচনা করেন? এর অঙ্কসংখ্যা লেখো।

(m) भट्टनारायणरचितस्य नाटकस्य किं नाम? अस्य नाटकस्य कः खलु नायकः?
ভট্টনারায়ণ রচিত একটি নাটকের নাম লেখো। এই নাটকের নায়ক কে?

(n) महाकविभासविरचितं महाभारतमाधारीकृतं नाटकद्वयं किम्?
মহাকবি ভাস বিরচিত মহাভারত আশ্রিত দুটি নাটকের নাম লেখো।

(o) संस्कृतसाहित्ये भाणस्यैकस्य नाम लिखत। कः खलु अस्य ग्रन्थकारः?
সংস্কৃত নাট্যসাহিত্যে একটি ভাণের নাম লেখো। এটির লেখক কে?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো চারটি প্রশ্নের* উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি প্রশ্নের* উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

(a) अधस्तात् कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया।
নীচের যে কোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।
কর্ণভারম্, মুদ্রারাক্ষসম্, শূদ্রকঃ

(b) अधोलिखितयोः श्लोकयोः अन्यतरः वङ्गभाषया अनूद्यताम्।
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের বাংলায় অনুবাদ করো।

(i) गाहन्तां महिषा निपानसलिलं शृङ्गैर्मुहुस्ताड़ितम्
छायाबद्धकदम्बकं मृगकुलं रोमन्थमभ्यस्यतु
विस्रब्धं क्रियतां वराहततिभिर्मुस्ताक्षतिः पल्वले
विश्रामं लभतामिदं च शिथिलज्याबन्धमस्मद्धनुः।।

(ii) पदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत्।
प्रकृत्या यत् वक्रं तदपि समरेखं नयनयो:
न मे दूरे किंचिद् क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात्।।

(c) संस्कृतभाषया प्राकृतभाषाया: अनूद्यताम्।
প্রাকৃতভাষা থেকে সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ করো ঃ
अहिणओमहु लोलुबो तुमं तह
परिचुम्बिअ चुअ मञ्जरिं
कमल बसइ मेत्त निब्बुदे
महुअर बिसुमरिदोसि णं कहं

(d) अधोलिखितयो: श्लोकयो: *अन्यतर:* सुरगिरा व्याख्यायताम्।
নীচের *যে কোনো একটি* শ্লোকের সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

(i) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतु:।
जातो ममायं विशद: प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

(ii) गच्छति पुर: शरीरं
धावति पश्चादसंस्थितं चेत:।
चीनांशुकमिव केतो:
प्रतिवातं नीयमानस्य।।

(e) 'ईदृग्विनोद: कुत:'– केनोक्तमिदं वचनम्? अस्य विनोदनस्य का: खलु उपकारिता:? काश्च अपकारिता:? 1+4=5
'ईदृग्विनोद: कुत:'— উক্তিটির বক্তা কে? এই বিনোদনের উপকারিতা ও অপকারিতা কী কী?

(f) अधोलिखितयो: श्लोकांशयो: *अन्यतरस्य* सुरगिरा भावसम्प्रसारणं कुरुत। 1+4=5
যে কোনো একটির সংস্কৃতে ভাবসম্প্রসারণ করো।

(i) स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।

(ii) बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेत:।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु 'क' विभागत *एकस्य* 'ख' विभागत् *एकस्य* प्रश्नस्य चोत्तरं लिख्यताम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *একটি* ও 'খ' বিভাগ থেকে *একটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো।

'क'-विभाग:

'ক'-বিভাগ

(a) शाकुन्तले क: खलु विदूषक:? तस्य चरित्रं वर्णयत।
'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে বিদূষক কে? তার চরিত্র বর্ণনা করো।

(b) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटकें शकुन्तलाया: पतिगृहगमनदृश्यं वर्णयत। अस्य अङ्कस्य काव्योत्कर्षं प्रतिपादयत च।

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকের শকুন্তলার পতিগৃহে যাত্রার দৃশ্য বর্ণনা করো এবং এই অংশটির কাব্যোৎকর্ষ প্রতিপাদন করো।

'ख'-विभाग:

'খ'-বিভাগ

(c) कानि रूपकाणि कालिदासेन रचितानि? तेषां रूपकानां प्रतिपाद्य-विषय: आलोच्यताम्।
কালিদাস কটি রূপক রচনা করেছেন? তাদের প্রতিপাদ্য বিষয়বস্তু আলোচনা করো।

(d) टीका लिख्यताम्।
টীকা লেখ।

(i) उत्तररामचरितम्
উত্তররামচরিতম্

(ii) स्वप्नवासवदत्तम्
স্বপ্নবাসবদত্তম্